



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 4, 2006/आश्विन 12, 1928

No. 150]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 4, 2006/ASVINA 12, 1928

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुंबई, 29 सितम्बर, 2006

सं. टीएएमपी/15/2006-टीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48. 49 तथा 50 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा, संलग्न आदेशानुसार, अपने वर्तमान दरों की वैधता के विस्तार हेतु, तृतीकोरिन पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान करता है।

अनुसूची

प्रकरण सं. टीएएमपी/15/2006-टीपीटी

तृतीकोरिन पत्तन न्यास (टीपीटी)

आवेदक

आदेश

(सितंबर 2006 के 28वें दिन को पारित)

तृतीकोरिन पत्तन न्यास (टीपीटी) के दरमान को पिछली बार दिनांक 4 अक्टूबर 2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। उस समय अपनाई गई दो वर्ष की प्रशुल्क वैधता अवधि का अनुसरण करते हुए टीपीटी का दरमान अक्टूबर 2004 में संशोधन हेतु अपेक्षित हो गया। इस प्राधिकरण ने, पत्तन के अनुरोध पर, दिनांक 15 मार्च 2005 और 30 अगस्त 2005 को, वर्तमान दरमान की वैधता को 31 मार्च 2006 तक विस्तार प्रदान करते हुए दो आदेश पारित किये थे। टीपीटी को भी अपने दरमान के सामान्य संशोधन का प्रस्ताव दिनांक 31 दिसंबर 2005 तक, दाखिल करने की सलाह दी गयी थी।

2. टीपीटी ने अपने दरमान के सामान्य संशोधन के लिए, एक दो बार अपना प्रस्ताव दाखिल किया था। लेकिन उसके प्रस्ताव पूरे नहीं थे, इसलिए टीपीटी को यह सलाह दी गयी थी कि वह निर्धारित प्रारूप में एक व्यापक प्रस्ताव, प्रस्तावित दरमान के प्रारूप सहित दाखिल करे।

3.1. टीपीटी के अध्यक्ष ने, टीएमपी के अध्यक्ष को संबोधित अपने अर्धशासकीय पत्र दिनांक 2 सितंबर 2006 द्वारा यह सूचित किया है कि पत्तन, प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता प्रतिनिधियों के साथ किये गये विचार-विमर्श पर आधारित प्रस्ताव पर पुनःविचार करना चाहता है तथा दिनांक 15 सितंबर 2006 तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए सहमत हो गया।

3.2. टीपीटी ने प्राधिकरण से यह अनुरोध किया है कि वर्तमान दरमान की वैधता को 31 मार्च 2007 तक अथवा सामान्य संशोधन प्रस्ताव पर प्राधिकरण द्वारा विचार किए जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, विस्तार प्रदान किया जाय।

4. टीपीटी की प्रस्तुति के मद्देनजर, यह प्राधिकरण वर्तमान दरमान की वैधता को, 31 मार्च 2007 तक अथवा टीपीटी द्वारा दाखिल किये जानेवाले प्रस्ताव को अंतिम रूप प्रदान करने तक, इसमें से जो भी पहले हो, विस्तार प्रदान करता है। यह विस्तार इस शर्त के अधीन दिया जाता है कि पत्तन की वास्तविक भौतिक तथा वित्तीय कार्य निष्पादन की, पिछले प्रशुल्क आदेश में विचार किये गये अनुमानों के संदर्भ से समीक्षा की जायेगी और अधिशेष, यदि कोई होगा तो, उसे संशोधित प्रशुल्क मार्गदर्शियों के खंड 2.13 के अनुसार, अगली प्रशुल्क वैधता की अवधि में समायोजित कर दिया जायेगा। अक्टूबर 2004 से दरमान के अंतिम रूप प्रदान किए जाने तक (प्राप्त होनेवाले प्रस्ताव पर) की अवधि के लिए, तूतीकोरिन पत्तन न्यास के पक्ष में प्रोद्भूत हुए संपूर्ण अतिरिक्त अधिशेष भी अगली प्रशुल्क वैधता अवधि में समायोजित कर दिया जायेगा।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/2006-असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

### NOTIFICATION

Mumbai, the 29th September, 2006

**No. TAMP/15/2006-TPT.**—In exercise of the powers conferred by Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal received from the Tuticorin Port Trust for extension of the validity of its existing Scale of Rates as in the Order appended hereto.

### Schedule

### Case No. TAMP/15/2006 – TPT

**Tuticorin Port Trust (TPT)**

-----

**Applicant**

### ORDER

(Passed on this 28 day of September 2006)

The Scale of Rates of the Tuticorin Port Trust (TPT) was last notified in the Gazette of India on 4 October 2002. Following the then adopted two-year tariff validity period the Scale of Rates of the TPT fell due for revision in October

2004. This Authority, at the request of the port, had passed two orders on 15 March 2005 and 30 August 2005 extending the validity of its existing Scale of Rates till 31 March 2006. The TPT was also advised to file its proposal for general revision of its Scale of Rates by 31 December 2005.

2. 2. The TPT had filed its proposal for general revision of its Scale of Rates a couple of times. But their proposals were not found to be complete and, therefore, TPT was advised to file a comprehensive proposal in the prescribed format alongwith the draft proposed Scale of Rates.

3.1. The Chairman, TPT vide his d.o. letter dated 2 September 2006 addressed to Chairman (TAMP) has informed that the port would like to have a re-look at the proposal based on the discussion with the users / user representatives and has agreed to submit the proposal by 15 September 2006.

3.2. The TPT has requested this Authority to extend the validity of the existing Scale of Rates till 31 March 2007 or till the consideration of the general revision proposal by TAMP, whichever is earlier.

4. In view of the submissions made by the TPT, this Authority extends the validity of the existing Scale of Rates till 31 March 2007 or till the finalisation of the proposal (to be filed by the TPT), whichever is earlier. This extension is subject to the condition that the actual physical and financial performance of the port will be reviewed with reference to the estimates considered in the last tariff order and the surplus, if any, will be set off over the next tariff validity period in accordance with clause 2.13 of the revised tariff guidelines. For the period from October 2004 till the finalisation of the Scale of Rates (on the proposal yet to be received), the entire additional surplus accrued to the Tuticorin Port Trust will also be set off over the next tariff validity period.

A.L. BONGIRWAR, Chairman  
[ADVT. III/IV/143/2006-Exty.]